

राजानक पुं. (तत्.) 1. किसी शासक या राजा के अधीनस्थ छोटा राजा 2. 'राजानक' नामक एक प्राचीन काल की उपाधि जो प्रसिद्धविद्वानों और कवियों को दी जाती थी, कश्मीर निवासी काव्यशास्त्र के ध्वनिवादी आचार्य रुय्यक (12 वीं शताब्दी) को 'राजानक' की उपाधि मिली थी, वे 'राजानक रुय्यक' के नाम से प्रसिद्ध थे।

राजाग्नि स्त्री. (तत्.) राजा का क्रोध, राजा का क्रोध रूपी अग्नि।

राजाज्ञा स्त्री. (तत्.) राजा की आज्ञा या आदेश, सरकारी आदेश (प्राचीन काल में राजा के आदेश को ढिंढोरा पिटवाकर राजाज्ञा को प्रसारित करवाया जाता था।)

राजातिथि पुं. (तत्.) राजा का अतिथि या अभ्यागत, (राजा का अतिथि विशेष रूप से सम्माननीय होता है।)

राजाधिराज पुं. (तत्.) राजाओं का अधिराज या श्रेष्ठ राजा, महाराजा, सम्राट, एक छत्र साम्राज्य का अधिकारी।

राजावर्त पुं. (तत्.) हल्के नीले रंग का एक उपरत्न, जिसे लाजावर्त या लाजवर्द भी कहते हैं, (ज्योतिष शास्त्र के अनुसार 'राहु' ग्रह के प्रकोप की शांति के लिए लोग 'लाजवर्द' नामक रत्न को धारण करते हैं।)

राजिंद पुं. (तद्.) राजेंद्र, राजाओं में श्रेष्ठ या प्रमुख।

राजि स्त्री. (तत्.) 1. पंक्ति, रेखा, लकीर 2. समूह या समुदाय 3. एक प्रकार की सरसों जिसे राई कहते हैं और उसका रंग काला होता है।

राजित वि. (तत्.) जो शोभा से युक्त हो, सुशोभित, विराजमान।

राजी पुं. (तद्.) 1. उत्तराखंड राज्य की एक जन जाति जो स्वयं को राजपूत मानती है स्त्री. (तद्.) दे. राजि।

राजीनामा पुं. (अर.+फा.) दो विरोधी पक्षों में समझौते का लिखित विवरण, सुलह पत्र या सहमति-पत्र।

राजीव पुं. (तत्.) 1. नीले रंग का कमल 2. हाथी।

राजीवलोचन पुं. (तत्.) कमल या नील कमल के समान सुंदर नेत्रों वाला, (रामायण के पात्र 'राम' का विशेषण 'राजीवलोचन' दिया गया है), कमल को कवियों ने सुंदरता का उपमान माना है।

राजुक पुं. (तत्.) मौर्य युग का एक राजकीय कर्मचारी जिसे राजुक कहते थे, उस समय 'सूबेदार' के लिए 'राजुक' शब्द का प्रयोग होता था।

राजेंद्र पुं. (तत्.) राजाओं में प्रमुख या श्रेष्ठ। राजाधिराज, अनेक राजाओं में प्रमुख, सम्राट।

राजेश्वर पुं. (तत्.) राजाओं में श्रेष्ठ, सम्राट, महाराजा।

राजेश्वर वि. (तत्.) 1. जो राजा का प्रिय हो 2. अच्छा, श्रेष्ठ।

राजोपसेवी पुं. (तत्.) राजा की सेवा करने वाला व्यक्ति, राजा के पास रहने वाला, राजसेवक।

राज्ञी स्त्री. (तत्.) राज पत्नी, रानी।

राज्यव्यवस्था स्त्री. (तत्.) राज्य का शासन चलाने के लिए किया गया प्रबंध।

राज्य पुं. (तत्.) 1. किसी शासक द्वारा शासित पृथ्वी का सीमित भाग जिस में प्रजा रहती हो 2. राजा द्वारा शासित एक निश्चित भूखंड 3. संघ शासन के अधीन एक इकाई मुहा. राज्य करना- अधिकार में कर लेना, सुखपूर्ण जीवन बिताना; राज्य उलट जाना- अधिकारहीन हो जाना, शासन छिन जाना।

राज्यकर्त्ता वि. (तत्.) शासन करने वाला, राजा, अधिकार रखने वाला।

राज्यतंत्र पुं. (तत्.) एक प्रकार की शासन प्रणाली जिसमें सर्वेसर्वा राजा होता है, राजतंत्र में राजा की प्रधानता होती है और शासन में उसी की व्यवस्था प्रधान होती है, लोकतंत्र या जनतंत्र की